Nai Dunia (Indore), 19th January 2022, Page-03

विक्रम विश्वविद्यालय में शुरू होगा आइआइटी इंदौर का अस्थायी सैटेलाइट परिसर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का सैटेलाइट परिसर उज्जैन में सत्र 2022-23 में शुरू हो सकता है। इसके लिए उज्जैन स्थित विक्रम विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में जगह उपलब्ध कराने पर सहमति दी है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध कार्य शुरू हो सकेंगे। आइआइटी इंदौर का स्थायी सैटेलाइट परिसर तैयार होने तक विश्वविद्यालय अपने परिसर का उपयोग करने देगा।

आइआइटी की इच्छा सैटेलाइट परिसर में पांच अनुसंधान केंद्र खोलने की है। इसमें से दो से तीन केंद्र 2022-23 में शुरू हो जाएंगे और बाकी के 2023-24 में शुरू हो सकते हैं। संस्थान पीजी कोर्स संचालन की भी योजना बना रहा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के डायरेक्टर कालेज डेवलपमेंट काउंसिल (डीसीडीसी) डा. राजीव दीक्षित को सैटेलाइट परिसर का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

100 एकड़ में 500 करोड़ में बनेगा परिसर

आइआइटी इंदौर उज्जैन में 100 एकड़ जमीन पर करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से परिसर तैयार करेगा। संस्थान जमीन के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेज चुका है। आइआइटी इंदौर को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने अपने इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी आइइटी विभाग की बिल्डिंग में जगह उपलब्ध कराई थी।